वार्षिक प्रतिवेदन 2022—2023

(श्रीनिर्मल विवेक स्पेशल स्कूल, हॉस्टल एण्ड वी.टी.सी)

'सोसायटी फॉर वेलफेयर ऑफ मेन्टली हेन्डीकेप्ड' संस्था की स्थापना 2 अक्टूबर 1988 को स्वर्गीय श्री श्रीपाल चन्द मेहता एवं स्व. श्रीमती निर्मला मेहता, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट दम्पति के अथक प्रयासों के फलस्वरूप हुई। विशिष्ट बच्चों के कल्याण हेतु मात्र 7 बच्चों से किराये के भवन में संस्था की शुरूआत हुई। दुर्भाग्यवस 23 अप्रेल 1990 को संस्था के संस्थापक दम्पति का सपरिवार आकस्मिक कार-दुर्घटना में दुखःद देहांत हो गया। उनके आकस्मिक देहावसन के पश्चात मेहता परिवार ने कुछ समाजसेवी-समर्पित महानुभावों के सहयोग से इस संस्था को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया, जो आजतक भी सतत् रूप से जारी है।

संस्था का मुख्य उद्देश्य बौद्धिक-दिव्यांग बालकों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ इनको समाज की मुख्य धारा में सम्मलित करवाना है। वर्तमान में आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त विद्यालय निरन्तर 34 वर्षों की अनवरत तपस्या व मेहनत का परिणाम है। वर्तमान में 120 से अधिक दिव्यांग बालक/बालिकाएं विद्यालय में शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षित-विशेषज्ञों की एक टीम एवं विशेष-शिक्षा (बौद्धिक दिव्यांगता) में प्रशिक्षित विशेष-शिक्षक इन बच्चों के पुनर्वास हेतु कार्यरत हैं। बौद्धिक दिव्यांगता एवं सह दिव्यांगताओं वाले बच्चे जैसे अति-चंचलता, आधिगम-अक्षमता, अक्षमता, ऑटिज्म, सेरेब्रल पॉल्सी, डाउन-सिन्ड्रोम इत्यादि शिक्षण प्रशिक्षण से लाभान्वित हो रहे हैं। वर्तमान में संस्था द्वारा एक विशेष विद्यालय "**श्रीनिर्मल**", छात्रावास "**विवेक**', व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र "**समर्थ**" एवं विशेष शिक्षा में दो वर्षीय पाठ्यक्रम "**प्रेरणा**" का संचालन किया जा रहा है।

श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालयः— श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय ने दिव्यांगों में कौशल व सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने हेतु एक पहल की है ताकि वे कुछ हद तक आत्मनिर्भर हो सकें। ऐसे बच्चे जो किसी कारणवश विद्यालय नहीं पहुंच पाते हैं उनके कल्याण हेतु गृह-आधारित पुनर्वास कार्यक्रम भी उपलब्ध करवाया जाता है, ताकि भविष्य में स्थिति अनुकूल होने पर उनको विद्यालय से जोड़ा जा सके। 'व्यक्तिगत शैक्षणिक कार्यक्रम' प्रत्येक बालक की आवश्यकता के अनुरूप विकास हेतु तैयार किया जाता है, जिससे बच्चे को पुनर्वासित करने में मदद मिलती है। विद्यालय में प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु 4 वर्ष है। प्रवेश के समय सर्वप्रथम बच्चे की केस हिस्ट्री मनोवैज्ञानिक द्वारा ली जाती है इसके बाद बच्चे को 5 दिन निरीक्षण के लिए रखा जाता है। तत्पश्चात बच्चे का साइकोलोजिकल एवं एज्यूकेशनल एसेसमेन्ट किया जाता है। तदोपरान्त बच्चे की बुद्धिलब्धि और उम्र के आधार पर कक्षा का आवंटन किया जाता है। विद्यालय में कुल 6 कक्षाऐं संचालित होती हैं इन कक्षाओं में कुल 82 बच्चे पंजीकृत हैं।

1. **ई.आई.जी.** कक्षा में 4 से 6 वर्ष के बच्चों का प्रवेश निर्धारित होता है। कक्षा में कुल 14 छात्र/छात्राएं हैं। जिनको दैनिक जीवन की क्रियाएं और स्थूल एवं सूक्ष्म गामक कुशलताओं में प्रशिक्षित किया जाता है।

2. **केयर ग्रुप** कक्षा में 13 छात्र/छात्राएं हैं, जिनको दैनिक जीवन के क्रिया कलापों में प्रशिक्षित किया जाता है।
3. **प्री-प्राईमरी** कक्षा में 14 छात्र/छात्राएं हैं। 7 वर्ष से 11 वर्ष के बच्चे हैं जिनको आधारभूत शिक्षण क्रियाएं और दैनिक जीवन के क्रिया कलाप में प्रशिक्षित किया जाता है।
4. **सैकण्ड्री** कक्षा में 14 छात्र/छात्राएं हैं। 11 वर्ष से 14 वर्ष के छात्र/छात्राएं है जिनको आधारभूत शिक्षण क्रियाओं में प्रशिक्षित किया जाता हैं।
5. **प्री-वोकेशनल** कक्षा में 13 छात्र/छात्राएं है। 15 से 18 वर्ष के छात्र/छात्राएं हैं जिनको प्री-वोकेशनल कौशलों में प्रशिक्षित किया जाता है।
6. **एन.आई.ओ.एस.** कक्षा में 14 छात्र/छात्राएं हैं। जिनकी उम्र 10 से 18 वर्ष है। इनको मुख्यतः शैक्षणिक क्रियाओं में प्रशिक्षित किया जाता है।

''विवेक'' छात्रावास :– संस्था द्वारा दूरस्थ ग्रामीण-परिवेश के अधिकतम 30 अल्प-बौद्धिक दिव्यांग बालकों हेतु छात्रावास की सुविधा प्रदान की गई है, जो दैनिक जीवन की प्रक्रियाओं में पूर्णरूप से प्रशिक्षित हैं और उनमें व्यवाहारिक समस्याएं कम है। छात्रावास में बच्चों को केवल आवास ही उपलब्ध नहीं होता है बल्कि उनको स्नेह-भाव से शिक्षण-प्रशिक्षण देकर पुनर्वासित किये जाने का भी प्रयास किया जाता हैं । छात्रावास में बालकों को घर जैसा वातावरण देने हेतु सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

जैसे : –

- रसोई :– रसोई में आवश्यक सभी सुविधाएं जैसे फ्रिज, गैस स्टोव, बर्तन, आर.ओ. एवं उपयोग में आने वाले सभी उपकरण उपलब्ध हैं। हमारी रसोई पूर्णतः साफ-सुथरी एवं सुव्यवस्थित है।
- भोजनालय :– कूलर एवं पंखे सहित भोजनालय में 30 बच्चों के डाईनिंग टेबल पर बैठकर खाना खाने की उपयुक्त व्यवस्था है।
- मनोरंजन कक्ष :– बच्चों के मनोरंजन हेतु एक बड़ा स्मार्ट टी.वी. टाटा स्काई कनेक्शन के साथ उपलब्ध है, जिसमें बच्चे मनोरंजन के कार्यक्रम देखते हैं।
- शयनकक्ष : – उपयुक्त हवादार एवं प्रकाशमय शयनकक्ष उपलब्ध हैं, जिसमें प्रत्येक बच्चे के लिए व्यक्तिगत रूप से बैड उपलब्ध हैं। बच्चों को व्यक्तिगत सामान रखने के लिए लॉकर की सुविधा भी उपलब्ध है।
- जीवन विकास कौशल हेतु केयर टेकर :– राउण्ड दी क्लॉक केयर टेकर की सुविधा उपलब्ध है।
- किचिन गार्डनः – बच्चों को ओर्गेनिक सब्जियां एवं फल उपलब्ध कराने के लिए विद्यालय परिसर में किचिन गार्डन है। शाम के समय बच्चे माली के साथ गार्डनिंग की क्रियाएं भी करते हैं।
- वाटर कूलर, वाटर प्यूरिफायर : –छात्रावास परिसर में बच्चों को शीतल एवं शुद्ध जल हेतु वाटर कूलर और आर.ओ. की व्यवस्था है।
- लॉण्ड्री व्यवस्था : – बच्चों के कपड़े धोने के लिए 2 बड़ी वॉशिंग मशीन उपलब्ध हैं।
- प्ले ग्राउण्ड :– बच्चों के लिए शारीरिक गतिविधियों जैसे योगा, प्राणायाम, ध्यान, क्रीडा क्रियाएं आदि के लिए एक विशाल प्ले ग्राउण्ड उपलब्ध है।

दिव्यांग युवाओं के लिए ''समर्थ'' व्यवासयिक प्रशिक्षण केन्द्र :– हमारा व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र ''समर्थ'' राजस्थान का पहला प्रशिक्षण केन्द्र है। वर्तमान में इस संस्थान में 35 युवक/युवतियां प्रशिक्षण ले रहे हैं। ''समर्थ'' व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना का उद्देश्य 18 वर्ष से ऊपर वाले युवाओं को व्यावसायिक कौशलों में प्रशिक्षित करना जिससे वे अपने आप को उद्देश्य पूर्ण व्यावसायिक गतिविधियों में व्यस्त रखते हुए अपने आत्म-विश्वास को और भी सुदृढ़ कर सकते हैं। समय-समय पर इन युवाओं द्वारा बनाये गये उत्पादों की प्रदर्शनी लगती रहती है और अलग-अलग संस्थानों में इनकी सप्लाई भी की जाती है। उत्पादों से अर्जित लाभ इन युवक-युवतियों में बांट दिया जाता है। वर्तमान में व्यावसायिक केन्द्र में इन्हें निम्नलिखित गतिविधियों में प्रशिक्षित किया जाता है :–

आर्ट एण्ड क्राफ्ट उत्पाद :–

- पुराने अखबार की थैली बनाना
- डेकोरेटिव कैरी बैग, गिफ्ट एनवलेप
- राखी
- गिफ्ट आर्टिकल्स
- दीपक डेकोरेशन एवं मोमबत्तियां
- कुशन कवर, साड़ी कवर, पूजा थाली कवर, एप्रेन इत्यादि।

आटा चक्की :–हॉस्टल परिसर में एक बड़ी आटा चक्की उपलब्ध है जिसमें बच्चों को गेंहूँ पीसने के कार्य में प्रशिक्षित किया जाता है।

हाउसकीपिंग गतिविधियां :– बेडशीट सेट करना, पिलो कवर डालना, डस्टिंग करना इत्यादि सिखाया जाता है।

बागवानी कार्य :– पेड़ पौधों में पानी डालना, कटाई-छॉंटाई करना, सब्जियां उगाना इत्यादि।

सिलाई कार्य :– बैग सिलना , ऐप्रन बनाना, थाल पॉश बनाना इत्यादि।

पेपर मैशे कार्य :– पेपर मैशे बनाना, पेन्टिंग, सिनरी इत्यादि।

कुकिंग कार्य : – सैण्डविच बनाना, आटा लगाना, भेलपूरी बनाना,चाय बनाना, सूप बनाना, इत्यादि।

''प्रेरणा'' विशेष शिक्षा में डिप्लोमा : – श्रीनिर्मल विवेक विद्यालय हमेशा से ही विशेष शिक्षकों की आवश्यकता महसूस करता है। सन् 2012 में भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली के द्वारा संस्था को 2 वर्षीय विशेष शिक्षा (बौद्धिक विकासात्मक दिव्यांगता) कोर्स की मान्यता दी गयी। इस दो वर्षीय कोर्स में प्रत्येक सत्र में 35 सीटें निर्धारित हैं। कुल 70 प्रशिक्षार्थियों का प्रत्येक सत्र में नामांकन होता है। जिसमें प्रवेश प्रक्रिया भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली द्वारा सम्पादित की जाती है। हमारा संस्थान गुणवत्तापूर्ण टीचर ट्रेनिंग के लिए जाना जाता है। हमारे यहां से उत्तीर्ण कुछ ट्रेनीज राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार में सेवाएं दे रहे हैं।

संस्था में दिव्यांगों हेतु उपलब्ध अन्य सेवाएंः—

सोइकोलोजिकल यूनिटः—जब बच्चा विद्यालय में प्रवेश करता है सबसे पहले मनोवैज्ञानिक द्वारा बच्चे की डिटेल केस हिस्ट्री ली जाती है । इसके बाद सोइकोलोजिकल एसेसमेन्ट किया जाता है आकलन के आधार पर बच्चे की बुद्धिलब्धि और उम्र के अनुसार कक्षा आवंटन किया जाता है। और व्यवहार परिमार्जन कार्यक्रम तैयार करके कक्षा अध्यापक/अध्यापिका को दिया जाता है।

फिजियोथैरपी यूनिट :— फिजियोथैरेपी से शारीरिक दिव्यांगता वाले बच्चों की मसल-टोन व गामक कौशल विकसित करने में मदद मिलती है। जैसे उठना, चढ़ना, उतरना, चलना , इत्यादि। थैरेपिस्ट बच्चे का एसेसमेन्ट करता है और समय-समय पर फोलोअप भी लिया जाता है।

ऑक्यूपेशनल थैरेपीः — इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को दैनिक जीवन की गतिविधियों में भाग लेने में सक्षम बनाना है। जैसे ब्रुश करना, टॉयलेट केयर इत्यादि। ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट बच्चे का एसेसमेन्ट करता है और समय-समय पर फोलोअप भी लिया जाता है।

वाणी एवं भाषा थैरेपी युनिट : — यहां उन बच्चों की मदद की जाती है जिनको उच्चारण, स्पष्ट बोलने, तुतलाने, हकलाने और वाक्य संरचना में परेशानी होती है। स्पीच थैरेपिस्ट के द्वारा बच्चे का एसेसमेन्ट किया जाता है तत्पश्चात स्पीच प्रोग्राम डिजाइन किया जाता है और समय-समय पर फोलोअप भी लिया जाता है।

संगीत थैरेपी यूनिट : — संगीत थैरेपी बच्चे के शारीरिक एवं मानसिक एवं संवेगात्मक विकास के लिए फायदेमंद है जिससे बच्चे में अभिव्यक्ति कौशल विकसित हो पाता है और बच्चे को संगीत बाद्य यंत्र बजाने से मानसिक शान्ति मिलती है। इससे बच्चे की एकाग्रता भी बढ़ती जो शिक्षण अधिगम कौशलों को सफलता पूर्वक ग्रहण करने में बच्चे की मदद करती है।

स्पोर्ट्स यूनिट :– हमारे बच्चों को खेल प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्पोर्ट्स से सम्बन्धित सभी उपकरण उपलब्ध है जैसे बैडमिन्टन किट, फुटवॉल, बॉलीवॉल, बास्केट बॉल, स्केटिंग किट इत्यादि। बच्चों को समय-समय पर इन्डोर, आउटडोर गेम्स एक्टिविटीज स्पोर्ट्स कोच द्वारा करवाई जाती है। हमारे विद्यालय से प्रशिक्षित बच्चे विभिन्न प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होकर पदक जीतकर विद्यालय को गौरवान्वित किया है।

खिलौना बैंक यूनिट :–खिलौना बैंक की स्थापना 2 मार्च 2023 को हुई। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को मनोरंजन के साथ खेल-खेल में नई जानकारी प्रदान करना है ताकि बच्चों को विद्यालय आना अधिक रूचिकर लगे और उनकी उपस्थिति बढ़े एवं बच्चों का सामाजीकरण हो पाए।

स्मार्ट क्लास :– वर्तमान में विद्यालय में 3 स्मार्ट क्लास उपलब्ध हैं। जिसका उद्देश्य बच्चे के लिए सीखने की प्रक्रिया को आसान बनाना है। कुछ ऐसे विषय जो कक्षा अध्यापक भाषण के माध्यम से बच्चे को नहीं समझा पाये तो उस कन्सेप्ट को स्मार्ट क्लास के माध्यम से समझाना अत्यधिक सरल है। क्योंकि **'ऑडियो वीज्यूल एड'** बच्चे के ध्यान को ज्यादा आकर्षित करती है। विद्यालय के अधिकांश बच्चे स्मार्ट क्लास का लाभ ले रहे हैं।

इवेन्ट एण्ड सेलीब्रेशन्स : –

दीवाली मेला प्रदर्शनी

दिनांक 18.10.2022 को दीपावली के अवसर पर अपेक्स विश्वविद्यालय में दीवाली मेला आयोजित किया गया। इस मेले में संस्था द्वारा संचालित ''समर्थ'' वी.टी.सी के बच्चों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी गई। इस प्रदर्शनी

में अपेक्स विश्वविद्यालय के स्टाफ एवं छात्रों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं निर्मित उत्पादों को खरीदा । इस मेले में उत्पादों की अच्छी बिक्री हुई एवं सब लोगों ने उत्पादों की सराहना की।

जुनून-2022

स्पेशल ऑलम्पिक भारत, राजस्थान एवं बिड़ला इंस्टीटूयूट ऑफ टेक्नोलोजी एण्ड साईन्स

(BITS) पिलानी में विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए दो दिवसीय खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत संस्थाओं ने भाग लिया, जैसे अलवर से ''मनोविकास'', ''एम. आर. होम'', झुंझुंनू से ''आशा का झरना'', आशा स्पेशल विद्यालय, अजमेर, जयपुर से दिशा स्पेशल विद्यालय, उमंग व हमारे श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय के 13 छात्रों ने भाग लिया जिसमें मोहित, कुलदीप, हर्ष, भव्य, किशन, कृष्णा गोयल एवं निखिल महावर थे। दिनांक 8 अक्टूबर को सभी छात्रों ने 100 मीटर , 50 मीटर, की दौड़, सॉफ्टबॉल, शॉटपुट, लोंग जम्प, स्टेण्डिंग जम्प में हिस्सा लिया। 50 मीटर की दौड़ में किशन एवं अरविन्द ने गोल्ड मेडल, 100 मी. की दौड़ मे निखिल ने सिल्वर मेडल जीता।

''विश्व विकलांगता दिवस-2022'' :— 3 दिसम्बर विश्व-विकलांगता दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 3 दिसम्बर को श्रीनिर्मल विवेक स्कूल में विकलांगता जागरूकता दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम

की अध्यक्षता निदेशक श्रीमती आभा विद्यार्थी, प्रधानाचार्य श्री सी.एस. त्रिवेदी एवं कोर्स कॉर्डिनेटर श्री सुरेश बाबू शर्मा ने की। कार्यक्रम में सांस्कृतिक गतिविधियाँ व खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डी.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्र/छात्राओं द्वारा नाटक के माध्यम से समाज को दिव्यांग बच्चों के प्रति संवेदनशील और सौहाद-पूर्ण व्यवहार करने का संदेश दिया। सैकण्ड्री कक्षा के बच्चों के द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई।

राज्य स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिताः – श्रीनिर्मल विवेक स्कूल के बच्चों ने दो दिवसीय राज्य स्तरीय एथेलेटिक्स खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसका आयोजन अपैक्स यूनिवर्सिटी, जयपुर एवं स्पेशल ओलम्पिक्स भारत द्वारा सीतापुरा जयपुर में किया गया।इस प्रतियोगिता में 22 जिलों के लगभग 300 दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया जिसमें हमारी संस्था के 8 बच्चों (कृष्णा गोयल, दिपांशु, त्रिशा, किशन, साहिल, कार्तिकेय, मोहित, अरविन्द), दो कोच (रेवती रमण शर्मा एवं राधा आर्या) तथा डी.एड. के 2 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ हमारे स्कूल के बच्चों द्वारा एक बहुत ही मनमोहक सामूहिक नृत्य द्वारा किया गया। इस प्रस्तुति की आमंत्रित प्रतिभागियों एवं अतिथियों तथा विश्वविद्यालय के छात्रों ने सराहना की। स्टेट-ओलम्पिक्स में संस्था के बच्चों ने 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर रेस में भाग लिया। 50 मीटर रेस में अरविन्द को गोल्ड मेडल, 100 मीटर रेस में साहिल को गोल्ड मेडल, 200 मीटर में किशन को सिल्वर मेडल, 50 मीटर में त्रिशा को सिल्वर मेडल एवं दीपाशु को ब्रोन्ज मेडल मिला।

निःशुल्क मेडिकल हेल्थ चेकअाप केम्पः– दिनांक 10.10.2022, सोमवार को ''विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस'' के अवसर पर हमारी संस्था द्वारा संचालित श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय, हॉस्टल एवं व्यवासायिक प्रशिक्षण केन्द्र में शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी दिव्यांग बालकों हेतु निःशुल्क स्वास्थ जाँच डॉ. अलका जैन, एच.ओ.डी एवं अन्य दो सहायक डॉक्टर , डॉ. गिरेन्द्र पाल होम्योपैथिक अस्पताल एवं रिसर्च सेन्टर, सायपुरा सांगानेर, जयपुर के द्वारा की गई ।

विधानसभा भ्रमणः– श्रीनिर्मल विवेक विशेष स्कूल की कक्षा एन.आई.ओ.एस एवं सेकैण्ड्री के छात्र/छात्राओं के द्वारा दिनांक 21.11.2022, सोमवार को विधानसभा संग्रहालय की विजिट करायी गयी। यह एक शैक्षणिक भ्रमण था, कक्षा अध्यापिका श्रीमती चन्द्रकान्ता व श्रीमती राधा आर्या बच्चों के साथ गयी थीं । राजस्थान विधानसभा संग्रहालय एवं डिजिटल संग्रहालय में बच्चों ने राजस्थान के अब तक के सभी मुख्यमंत्रियों व वर्तमान मुख्यमंत्री माननीय अशोकजी गहलोत के स्टेच्यू देखे इसके साथ ही अब तक सभी विधान सभा अध्यक्षों के स्टेच्यू भी देखे व उनसे सम्बन्धित जानकारियां प्राप्त की। संग्रहालय में बच्चों को राजस्थान का एकीकरण, विधानसभा का सम्पूर्ण संरचनात्मक प्रतिरूप व आजादी के लिए हुए आंदोलन तथा आजादी के बाद राजस्थान की प्रगति से सम्बन्धित सभी जानकारियां ''ऑडियो-वीज्यूल'' के माध्यम से बच्चों ने प्राप्त की। राजस्थान के कृषिगत स्तर में सुधार व कृषि से सम्बन्धित जानकारियां अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से राजस्थान विधानसभा में प्राप्त की।

स्मार्ट क्लास एवं कम्पयूटर लेब का शुभारंभः– संस्था द्वारा संचालित श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय, हॉस्टल एवं वी.टी.सी. में दिनांक 23.01.2023,को दो स्मार्ट क्लास एवं कम्पयूटर लेब का शुभारंभ पेट्रोनेट एलएनजी लि. नई दिल्ली द्वारा सी.एस.आर. इनिशिएटिव के अन्तर्गत किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. सुधीर भंडारी, (वी.सी.,आर.यू.एच.एस.), डॉ. कृष्णा पूनीया (विधायिका), अध्यक्षा राज्य क्रीडा परिषद, राजस्थान सरकार, श्री महेन्द्र कुमार पारख, (Commissioner, Industries & Commerce and Joint Secretary, CSR Govt. of Rajasthan) एवं श्री सुधीर माथुर आदि गणमान्य महानुभाव उपस्थित रहे। संस्था के अध्यक्ष श्री आई.सी.श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत एवं उपाध्यक्ष श्री वी.सी.मेहता ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में हमारी संस्था के साथ जयपुर के 4 प्रमुख औद्योगिक घरानों ने Expression of Intrest हस्ताक्षर किए। इसके तहत सभी 4 प्रमुख प्रतिष्ठित संस्थान हमारी संस्थान में शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विशेष बच्चों के साथ विभिन्न प्रकार की गतिविधियां संचालित करेंगे।

1. **"INIFD", JAIPUR:** श्रीमती कमला पोद्दार द्वारा संचालित राजस्थान के इस प्रतिष्ठित फैशन एवं इन्टीरियर डिजाईनिंग संस्थान ने हमारी संस्था के द्वारा संचालित ''समर्थ'' व्यावसायिक पुनर्वास केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों के साथ विभिन्न प्रकार की कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षण, कला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन करने हेतु **Expression of Intrest** निष्पादित किया है। इनके संस्थान के छात्र/छात्राएं हमारे विशिष्ट

बच्चों को प्रशिक्षित करने हेतु बहुत समर्पित प्रयास कर रहे हैं, जिससे हमारे विशिष्ट बच्चों के प्रशिक्षण-स्तर में बहुत सुधार हुआ है।

2. **"MOOLY MOO", JAIPUR:** उत्तर भारत का एक प्रसिद्ध आईसक्रीम ब्रान्ड है। मॉली मू ने हमारी संस्था के वी.टी.सी. के बच्चों को बेकरी प्रोडक्ट्स के प्रशिक्षण देने हेतु सहयोग के रूप में स्वयं को सहर्ष समर्पित किया है। मॉली मू संस्थान हमारे वी.टी.सी. बच्चों को रोजगार–परक प्रोडक्ट्स का प्रशिक्षण देने हेतु कार्याशालाएं आयोजित कर रही है।

3. **"WE CARE TRUST", JAIPUR:** यह ट्रस्ट महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण हेतु जयपुर में विभिन्न प्रकार की कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियां संचालित करने में संलग्न है। गरीब एवं अनाथ बच्चों को आर्थिक सम्बल प्रदान करने हेतु भी यह ट्रस्ट सुविख्यात है। वी केयर ट्रस्ट का हमारी संस्था का सहयोग हमारे विशिष्ट बच्चों के उत्थान में एक अहम भूमिका अदा करने में समर्थ होगा।

4. **“MS. SALMA KHAN SAHAYE THE COUNSELLING CENTRE”, JAIPUR:** इस काउसंलिंग सेन्टर ने हमारे संस्था में अध्ययनरत विशिष्ट बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए निःशुल्क काउंसलिंग एवं मनोवैज्ञानिक सहयोग देने हेतु स्वयं को निःस्वार्थ संकलिप्त भाव से संस्था के साथ जोड़ा है।

अभिभावक संवाद :–

‘डाउन-सिन्ड्रोम’ जागरूकता दिवस’ :

श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय में ‘डाउन-सिन्ड्रोम’ जागरूकता दिवस प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 मार्च को मनाया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय के बच्चों एवं अभिभावकों की मौजदूगी में मनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य हमारे समाज को विकासात्मक विकलांगताओं के बारे में जागरूक करना है, ताकि इन बच्चों की आवश्यकताओं एवं विशेषताओं को समझा जा सके जिससे इनको सम्मान पूर्वक जीवन-यापन का अवसर मिल सके। ‘डाउन-सिन्ड्रोम’ गुणसूत्रीय विकृति है जो बच्चे के शारीरिक एवं बौद्धिक विकास को मुख्यतया प्रभावित करती है।

‘ऑटिज्म’ जागरूकता दिवस’ :

श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय द्वारा ‘ऑटिज्म’ जागृति दिवस 02 अप्रेल को आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य ‘ऑटिज्म’ को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना एवं समाज में जागरूकता लाना है। अभिभावकों ने अपने बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं के बारे में प्रश्न किए जिनका हमारे पुनर्वास कार्यकर्ताओं द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में ऑटिज्म-ग्रस्त बच्चों के. अभिभावकों ने अपने बच्चों की परवरिश के बारे में अनुभव भी साझा किये।

‘ग्रीष्मकालीन-शिविर’ :–

संस्था द्वारा संचालित श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय, द्वारा इस वर्ष ग्रीष्म-कालीन

अवकाश के दौरान एक सप्ताह के ग्रीष्म-कालीन-शिविर का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को बच्चों एवं संस्था की गतिविधियों से जुड़ाव करना था। ग्रीष्म-कालीन-शिविर में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन गतिविधियों को प्रतिदिन करवाने की जिम्मेदारी स्वयं-सेवकों एवं अभिभावकों को दी गई थी। ‘‘स्वाध्याय योग-साधना केन्द्र’’ से आये हुए योग प्रशिक्षित स्वयं-सेवकों द्वारा हमारे दिव्यांग बच्चों एवं अभिभावकों को योग करवाया

गया। इस ग्रीष्म-कालीन-शिविर में एक सप्ताह के दौरान अभिभावकों के मध्य आपस में घनिष्ठता देखी गई साथ ही बच्चों को लेकर अभूतपूर्व सहयोग की भावना नजर आई।

केस स्टडी - 1

नाम	:	डिम्पल महावर
जन्म दिनांक	:	21.01.2008
पिता का नाम	:	श्री मुकेश बैरवा
दिव्यांगता	:	Mild M.R.

व्यक्ति वृत्त (Case History) :–

डिम्पल महावर श्रीनिर्मल विवेक स्पेशल स्कूल में साल 2018 में आयी थी। इससे पहले वह सामान्य स्कूल में पढ़ती थी। और वहां पर एल्फाबेट, कॉउन्टिंग, और कन्सोनेन्ट की पहचानने लग गई थी। सामान्य स्कूल में व्यवहार समस्या चलते डिम्पल महावर को निकाल दिया गया। डिम्पल में व्यवहार समस्या बहुत ज्यादा थी जब वो हमारे यहां पर आयी थी, तो बहुत ज्यादा बोलती थी। रास्ते में चलती हुई गिर जाती थी, कहना नहीं मानती थी, दिए गए कार्यों को उल्टा करती थी, जिद्दी थी, किसी की सुनती नहीं थी। श्रीनिर्मल विवेक स्पेशल स्कूल में आने के बाद सबसे पहले उसके व्यवहार को मोडिफाई किया गया। फिर व्यक्तिगत शैक्षणिक प्लान के द्वारा उसकी पढ़ने एवं लिखने के स्तर को बढ़ाया गया। साल 2022 में डिम्पल द्वितीय कक्षा मे आ चुकी थी और 5वीं कक्षा के गणित के सवाल करने लगी थी। घड़ी में समय देखना, पैसों का लेन–देन, निबन्ध लेखन, अपठित गद्यांश आदि विद्यालय में सीख गई थी। उसकी मम्मी की काउंसलिंग करके सत्र 2022-2023 में उसका प्रवेश एक बार पुनः सामान्य स्कूल में करवा दिया गया। डिम्पल का सामान्य स्कूल में प्रवेश करवाकर संस्था परिवार काफी संतुष्ट है। डिम्पल की मम्मी स्कूल को हमेशा दुआएं देती हैं।

केस स्टडी - 2

नाम : अमित गुप्ता

जन्म दिनांक : 17.01.1981

पिता का नाम : श्री अशोक गुप्ता

दिव्यांगता : Mild M.R.

व्यक्ति वृत्त (Case History) :–

अमित की मेहनत ,लगन और उसके अभिभावकों के सतत् प्रयास की बदौलत उसकी उपलब्धियां प्रशंसनीय हैं। अमित गुप्ता ने हमारे विद्यालय द्वारा संचालित ''समर्थ'' वोकेशनल ट्रेनिंग सेन्टर में पुनर्वास-कार्यक्रम में विभिन्न योग्यताएं हासिल की हैं। श्रीनिर्मल विवेक विद्यालय के समर्पित शिक्षकों का भी इसमें बहुत योगदान रहा है, जिन्होंने बच्चे के साथ–साथ उसके माता-पिता को भी प्रोत्साहित किया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अमित ने बहुत सी व्यावसायिक कौशल क्रियाएं सीखीं जैसे गणितीय गणनाएं, मुद्रा की समझा, समय बताना, लिफाफा बनाना, कैरी बैग बनाना, भारतीय-संस्कृति के त्यौहारों का समुचित ज्ञान आदि।

यह अत्यंत हर्ष का विषय के कि अमित गुप्ता जो कि 22 पटेल नगर महेश नगर टोंक फाटक जयपुर का निवासी है, हमारे श्रीनिर्मल विवेक विद्यालय से पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से जुड़ा है।

कोरोना जैसी महामारी के समय हार मानने के बजाय अभिभावकों के सहयोग से अपनी जीविका उपार्जन के लिए उन्होंने एक छोटा किराना स्टोर अपने घर में ही खोल लिया है। अमित गुप्ता ने अपना अनुभव साझाा करते हुए बताया कि वह बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा है। छात्र की इस उपलब्धि से अभिभावक बहुत प्रसन्न हैं। अमित गुप्ता एक दिव्यांग बालक ही नहीं है बल्कि समुदाय के लिए प्रेरणा स्रोत भी है। अमित गुप्ता आज किराना व्यवसाय से जुड़कर एक सम्मानजनक जीवन जीने की ओर अग्रसर है।

संस्था संचालनः–

संस्था का संचालन कर्मठ, प्रतिभावान समर्पित महानुभावों द्वारा किया जा रहा है। कार्यकारिणी–समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण निम्नलिखित हैं :–

	नाम	**पद**	**व्यवसाय**
1.	श्री आई.सी.श्रीवास्तव	अध्यक्ष	से.नि.आई.ए.एस.
2.	श्री वी.सी.मेहता	उपाध्यक्ष	वित्तीय सलाहकार
3.	श्री एन.के.मोदी	सचिव	सी.ए.
4.	श्री आर.सी मेहता	संयुक्त सचिव	से.नि. बैंकर
5.	श्री रजनीश सिंघवी	सदस्य	सी.ए.
6.	श्रीमती मधु मोदी	सदस्य	सामाजिक कार्यकर्ता
7.	श्री वी.के.सिंघवी	सदस्य	सामाजिक कार्यकर्ता

निवर्तमान राष्ट्रपति द्वारा संस्था का अवलोकन

-वी.सी.मेहता
उपाध्यक्ष

हमारे संस्थान के गौरवशाली इतिहास में 18 अप्रेल 2023 का दिन एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ गया ! भारत के निवर्तमान राष्ट्रपति श्रीमान रामनाथ जी कोविन्द हमारे विशिष्ट बच्चों को आशीर्वाद देने हेतु संस्थान में पधारे ! राष्ट्रपति-भवन में महामहिम राष्ट्रपति से हुई मेरी भेंट के दौरान मैंने उन्हें हमारी संस्था के विशिष्ट बच्चों को आशीर्वाद देने हेतु जयपुर पधारने का अनुरोध किया था, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार भी कर लिया ! अचानक कोविड की त्रासदी से दो वर्ष का समय निकल गया। तत्पश्चात महामहिम का कार्यकाल पूर्ण हो गया लेकिन उन्होंने अपना वादा याद रखा। मेरे पुनः अनुरोध करते ही महामहिम जयपुर पधारे और हमारे विशिष्ट बच्चों को आशीर्वाद देकर हमें अनुगृहीत किया। कहते हैं निःस्वार्थ-निष्काम भाव से किए गए प्रयास सदा सफल होते हैं। माननीय कोविन्द साहब लगभग दो घंटे हमारे संस्थान में रहे और विशिष्ट बच्चों की गतिविधियों का बहुत रूचि-पूर्वक अवलोकन किया। अपने प्रेरक उद्बोधन में संस्थान द्वारा विशिष्ट बच्चों के लिए किए जा रहे प्रयासों की महामहिम राष्ट्रपति ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

GLIMPSES OF FORMER PRESIDENT'S VISIT: